PG/IIIS/HIN-305/19

M.A. 3rd Semester Examination, 2019

HINDI

PAPER—HIN-305

Full Marks : 40

Time : 2 hours

The figures in the right-hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

Illustrate the answers wherever necessary

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2 × 4

   (*क*) प्रेमचन्द की अंतिम कहानी कौन सी है ? उसका प्रकाशन वर्ष लिखिए ।

   (*ख*) 'उसने कहा था' कहानी को छोड़कर चन्द्रधर शर्मा गुलेरी की दो अन्य कहानियों के नाम लिखिए ।

(*ग*) 'तीसरी कसम' कहानी में हीरामन द्वारा ली गई किन्हीं दो कसमो का उल्लेख कीजिए ।

(*घ*) 'शरणदाता' कहानी का मूल विषय क्या है ? इस कहानी के मुख्य पात्र का नाम लिखिए ।

(*ङ*) 'पिता' कहानी किसकी है ? इसका प्रकाशन वर्ष बताइए ।

(*च*) 'पार्टीशन' कहानी में कहाँ की घटना वर्णित है ? इसके रचनाकार का नाम बताइए ।

(*छ*) 'सागर सीमांत' कहानी में किनका जीवन चित्रित है ? इस कहानी के मुख्य पात्र का नाम लिखिए ।

(*ज*) 'सलाम' कहानी का संबंध किस वर्ग से है ? इसमें किस प्रथा का विरोध किया गया है ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के यथानिर्देश उत्तर दीजिए : 4×4

(*क*) "मृत्यु के कुछ समय पहले स्मृति बहुत साफ हो जाती है । जन्मभर की घटनायें एक-एक करके सामने आती हैं । सारे दृश्यों के रंग साफ होते हैं; समय की धुन्ध बिल्कुल उनपर से हट जाती है ।" सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।

(*ख*) "जिस समाज में रात-दिन मेहनत करने वालों की हालत उनकी हालत से कुछ बहुत अच्छी न थी, और किसानों के

मुकाबले में वे लोग; जो किसानों की दुर्बलताओं से लाभ उठाना जानते थे, कहीं ज्यादा सम्पन्न थे, वहाँ इसतरह की मनोवृत्ति का पैदा होना कोई अचरज की बात नहीं थी।" प्रस्तुत अवतरण किस रचना से अवतरित है ? वक्ता के आशय को स्पष्ट कीजिए।

(ग) "माँ ने बहुतेरा दिल को समझाया, हाथ जोड़ा, भगवान का नाम लिया, बेरे के चिरायु होने की प्रार्थना की, बार-बार आँखें बन्द की, मगर आँसू बरसात के पानी की तरह जैसे थमने में ही न आते थे।" — उपर्युक्त गद्यांश के भाषिक-सौन्दर्य पर चर्चा कीजिए।

(घ) "यह है आजादी। पहले विदेशी सरकार लोगों को कैद करती थी कि वे आजादी के लिए लड़ना चाहते थे; अब अपने ही भाई अपनों को तनहाई कैद कर रहे हैं क्यों कि वे आजादी के लिए ही लड़ाई रोकना चाहते हैं।" — उपर्युक्त गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(ङ) "उसके दिमाग में काफी मजहबी कबाड़ा भराहुआ था, शुरु से प्रवुद्ध होने के बावजूद; हम झाड़ू लेकर पिल पड़े थे। हमने उन्हें अखबर और विचार का चस्का लगा दिया। जैसा पहले किसी ने करना जरूरी नहीं समझा था। — किनके दिमाग में कबाड़ी भरा है और क्यों स्पष्ट कीजिए।

(च) ''सीपी-सी खुली बलरे इर छिरक गए अपने मोतियों की तलाश में बावरी बनी जा रही थीं। सब उधर ही ताक रहे थे। उस संधि रेखा को; वहाँ, जहाँ आकाश और समुद्र मिल्ते हैं।'' उपर्युक्त अवतरण की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

(छ) ''मुझे बड़ी शर्म मालूम हुई, किन्तू मैं इतना समीप पहुँच गया था कि अचानक घूम कर लौटना सम्भव न हो सका। इसके अलावा असली बात जानने की उत्सुकता भी थी। मैं शून्य की और देखता हुआ आगे बढ़ा लेकिन लाख कोशिश करने पर भी दृष्टि उधर चली ही जाती।'' उपर्युक्त अवतरण का मुख्य प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

(ज) '' गाँव की नाक तो तूने पहले ही कटवा दी है जो लौडिया कू दसवी पास करवा दी। क्या जरुरत थी लड़की कू पड़ाने की। गाँव की हवा बिगाड़ रहा है तू।'' यहाँ किसने गाँव की नाक करवा दी ? उपर्युक्त कथन का आशय सप्रसंग स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8 × 2

(क) ''उसने कहा था' कहानी में राष्ट्र-प्रेम एवं वैयक्तिक प्रेम का सुन्दर समन्वय है' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'पिता' कहानी के माध्यम से बदलते पारिवारिक संबंधों को रेखांकित कीजिए।

(*ग*) " 'जिन्दगी और जोंक' कहानी में रजुआ के जीने की अदम्य जिजीविषा का चित्रण हुआ है" — इस कथन की पुष्टि कीजिए ।

(*घ*) 'सलाम' कहानी की मूल संवेदना पर विचार कीजिए ।